CPSCM

प्रमाण कार्यक्रम
शांति अध्ययन और द्वंद प्रबंधन
(सी पी एस सी एम)

सत्रीय कार्य
जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्र के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको **शांति अध्ययन और द्वंद प्रबंधन** में प्रमाणपत्र कार्यक्रम से संबंधित कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है कि पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) करना होगा। इस पुस्तिका में **शांति अध्ययन और द्वंद प्रबंधन (सी पी एस सी एम)** प्रमाणपत्र कार्यक्रम के लिए सत्रीय कार्य सम्मिलित हैं।

सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय के भीतर जमा कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें। सत्रीय कार्य करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

इसके साथ ही, सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके अपने **अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ।** जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको सत्रीय कार्य वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होता है।

प्रस्तुतीकरणः हल किए गए प्रश्नों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें।

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई, 2025 के लिए	30 सितंबर, 2026	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी, 2026 के लिए	31 मार्च, 2026	

शुभकामनाओं के साथ,

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

शांति और द्वंद प्रबंधन का परिचय (BGP-001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः BGP-001
सत्रीय कार्य कोडः BGP-001/एएसएसटी/टीएमए/2025-26
अधिकतम अंकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

सत्रीय कार्य-I

1) नकारात्मक और सकारात्मक शांति के मध्य भेद करते हुये शांति की अवधारणा का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। सामयिक समय में शांति निर्माण प्रक्रियाओं की प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए।

2) शांति निर्माण के प्रमुख सिद्धांतों का विश्लेषण कीजिए और आधुनिक वैश्विक द्वंदों को सुलझाने में उनके प्रयोग का मूल्यांकन कीजिए।

3) द्वंद की अवधारणा, स्रोतों और चरणों की व्याख्या कीजिए। द्वंद के जीवन चक्र को समझने से प्रभावी द्वंद प्रबंधन की रणनीतियाँ बनाने में किस प्रकार सहायता मिलती हैं?

4) द्वंद प्रबंधन, द्वंद निवारण, द्वंद रूपांतरण और द्वंद समाधान के मध्य भेदों की चर्चा कीजिए। स्थायी शांति स्थापित करने में उनके प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।

5) संरचनात्मक हिंसा और द्वंदों को रोकने में भूमि सुधारों और मानव सुरक्षा की भूमिकाओं का परीक्षण कीजिए। सामयिक समाजों में उनकी सीमाओं का आलोचनात्मक विष्लेषण कीजिए।

सत्रीय कार्य-II

निम्न प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर 250 शब्दों पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए।

6) अ) मानव अस्तितण और विकास के लिये शांति का महत्व

ब) मानव सुरक्षा और इसके प्रमुख आयाम

7) अ) द्वंद की अवधारणा और इसके प्रमुख ताक्षण

ब) हिंसात्मक और गैर–हिंसात्मक द्वंदों के मध्य उपयुक्त उदाहरणों के साथ भेद कीजिए।

8) अ) शीत युद्ध पश्चात् काल में द्वंदों के प्रकार और उनकी परिवर्तनषील प्रकृति

ब) द्वंदों की तीव्रता बढ़ाने में समझ और मूल्यों की भूमिका

9) अ) द्वंद प्रबंधन और शांति निर्माण में नागरिक समाज की भूमिका

ब) लोकतांत्रिक समाजों में द्वंदों के समाधान में सरकार की भूमिका

10) अ) द्वंद समाधान में संवाद (अंर्तर–धार्मिक और द्वंद में लिप्त पक्षों) का महत्व

ब) शांति प्रोत्साहन में वैयक्तिक पहलों का महत्व